बर्षः- 05
अंकः- 287
मुरादाबाद
(Monday)
09 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बांग्लादेश में 1.25 करोड़ हिंदू हैं, अगर वे एकजुट हो जाएं तो..., आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान

समान नागरिक संहिता पर बोलते हुए सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि इस पर आम सहमति जरूरी, इससे समाज में विभाजन नहीं होना चाहिए। कम्युनिस्ट आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि पिछले 100 वर्षों में उनका आधार क्यों नहीं बढ़ा, इस पर आरएसएस उन्हें मार्गदर्शन दे सकता है, अगर वे चाहें।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि समान नागरिक संहिता को सभी वर्गों को साथ लेकर और आपसी सहमति से बनाया जाना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि यूसीसी के नाम पर समाज में किसी भी तरह का विभाजन नहीं होना चाहिए। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने कहा कि उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने से पहले करीब तीन लाख सुझाव लिए गए और सभी हितधारकों से चर्चा के बाद ही कानून बनाया गया। यही तरीका पूरे देश में अपनाया जाना चाहिए।बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के मुद्दे पर भागवत ने कहा, बांग्लादेश में अभी भी 1.25 करोड़ हिंदू हैं। यदि वे एकजुट हो जाएं, तो वे वहां की राजनीतिक व्यवस्था उपयोग अपने हित और अपनी सुरक्षा के लिए कर सकते हैं। लेकिन उन्हें एकजुट होना होगा। अच्छी बात यह है कि इस बार उन्होंने वहां से भागने का नहीं, बल्कि वहीं रहकर लड़ने का फैसला किया है। अगर अगर उन्हें लड़ना है है, तो एकता जरूरी होगी। जितनी जल्दी वे एकजुट होंगे, उतना ही बेहतर होगा।बांग्लादेश में वर्तमान में हिंदुओं की जितनी संख्या मौजूद है, उससे वे अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार कर सकते हैं। इसके लिए हम यहां अपनी सीमाओं के भीतर और दुनियाभर में अपने-अपने स्थानों पर मौजूद हिंदू, उनके लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। मैं आपको यह आश्वासन दे सकता हूं। देश में बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक जैसी कोई चीज नहीं- उन्होंने कहा कि देश में बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक जैसी कोई चीज नहीं है, हम सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने मुस्लिम और ईसाई समुदायों के साथ विश्वास, मित्रता और संवाद की जरूरत पर जोर दिया। धर्म पर बात करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि जब धर्म में आध्यात्मिकता नहीं रहती, तो वह आक्रामक और हावी होने लगता है। उन्होंने कहा कि आज इस्लाम और ईसाई धर्म में जो कुछ देखने को मिल रहा है,

वह पैगंबर मोहम्मद और यीशु मसीह की मूल शिक्षाओं के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सच्चे इस्लाम और सच्ची ईसाइयत के पालन की बात कही। सावरकर को भारत रत्न मिलने से बढ़ेगी उसकी गरिमा - राम मंदिर और अच्छे दिन के सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि आरएसएस के लिए अच्छे दिन भाजपा के सत्ता में आने से नहीं, बल्कि स्वयंसेवकों की मेहनत और संगठन की वैचारिक प्रतिबद्धता से आए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन में जो लोग संघ के साथ खड़े रहे, उन्हें उसका राजनीतिक लाभ मिला। हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर को भारत रत्न दिए जाने की मांग पर उन्होंने कहा कि अगर उन्हें यह सम्मान दिया जाता है, तो भारत रत्न की गरिमा और बढ़ेगी। संघ जरूरत पड़ने पर सलाह देता है- भागवत आरएसएस और राजनीति के रिश्ते पर उन्होंने कहा कि संघ जरूरत पड़ने पर सलाह देता है, लेकिन राजनीतिक दबाव मतदाताओं का होता है, आरएसएस का नहीं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि %राजनीति की गलतियों का दोष अक्सर हम पर मढ़ दिया जाता है। कम्युनिस्ट आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि पिछले 100 वर्षों में उनका आधार क्यों नहीं बढ़ा, इस पर आरएसएस उन्हें मार्गदर्शन दे सकता है, अगर वे चाहें।

आरएसएस एक युवा संगठन है- मोहन भागवत संघ की उम्र संरचना पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि आरएसएस एक युवा संगठन है, जहां स्वयंसेवकों की औसत उम्र 28 साल है, और इसे 25 साल तक लाने का लक्ष्य है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर उन्होंने कहा कि उन्होंने इसके बारीक विवरण नहीं देखे हैं, लेकिन किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते में लेन-देन और दोनों पक्षों का लाभ जरूरी होता है।

फॉर्म-7 भरवाना बंद करे चुनाव आयोग.., अखिलेश बोले- पकड़ी जा रही BJP की हर काली करतूत और बेईमानी

अखिलेश यादव ने मांग की है कि चुनाव आयोग फॉर्म-7 भरवाना बंद कर दे। कहा कि BJP की हर काली करतूत और बेईमानी पकड़ी जा रही है।राजधानी लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को पत्रकार वार्ता में सरकार को घेरा। उन्होंने एसआईआर के तहत भरवाए जा रहे फार्म-7 पर गड़बड़ी के आरोप लगाए। मांग की है कि चुनाव आयोग फार्म-7 भरवाना बंद कर दे। सपा मुखिया ने कहा कि आज हमारे साथ नंदलाल हैं। ये वही नंदलाल हैं, जिनके भारतीय जनता पार्टी ने फॉर्म-7 पर दस्तखत कराए थे। एक लाख रुपये हम लोग इनकी बहादुरी के लिए और लोकतंत्र को बचाने के लिए दे रहे हैं। ये अपने घर पर मंदिर का निर्माण कर रहे हैं। हम समाजवादी लोग इनके मंदिर को बनाने में भी सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की हर काली करतूत, हर बेईमानी पकड़ी जा रही है। आप सिस्टम को खत्म कर रहे हैं। इसका मतलब आप लोकतंत्र को खत्म कर रहे हैं।

एसआईआर के लिए ग्रुप बी के 8505 अधिकारी उपलब्ध कराने को तैयार, चुनाव आयोग से बोली बंगाल सरकार

पश्चिम बंगाल में एसआईआर को लेकर मचे घमासान के बीच राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने चुनाव आयोग से कहा है कि वो एसआईआर के लिए ग्रुप बी के 8505 अधिकारी उपलब्ध कराने को तैयार हैं।पश्चिम बंगाल सरकार ने चुनाव आयोग को बताया है कि वह राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के लिए राज्य या उसकी संस्थाओं के 8,505 ग्रुप-बी अधिकारियों की सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह मामला इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि 4 फरवरी को चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी थी कि पश्चिम बंगाल सरकार ने एसआईआर अभियान की निगरानी के लिए केवल 80 ग्रेड-2 अधिकारियों (जैसे एसडीएम) को ही तैनात किया है।सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची, एन. वी. अंजारिया की पीठ सोमवार को एसआईआर से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। इन याचिकाओं में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सोमवार को एक बार फिर शीर्ष अदालत में पेश हो सकती हैं। राज्य सरकार ने चुनाव आयोग को यह भी स्पष्ट किया है कि वह एसआईआर अभियान के लिए बड़ी संख्या में योग्य अधिकारियों को उपलब्ध कराने के लिए तैयार और इच्छुक है। इससे पहले चुनाव आयोग के वकील ने अदालत में यह भी कहा था कि राज्य सरकार ने इस अभियान के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं जैसे निचले स्तर के कर्मचारियों को ही तैनात किया। बंगाल को बनाया जा रहा है निशाना- सीएम ममता- मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि आयोग ने जो भी मांगा, राज्य सरकार ने वह उपलब्ध कराया। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर अदालत से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा था कि लोकतंत्र को बचाने के लिए यह जरूरी है और आरोप लगाया था कि राज्य और उसके लोगों को निशाना बनाया जा रहा है।शीर्ष अदालत ने ममता बनर्जी की याचिका पर संज्ञान लेते हुए कहा कि वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में बने रहने चाहिए। अदालत ने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को 9 फरवरी तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही अदालत ने चुनाव आयोग को यह भी कहा कि बूथ लेवल अधिकारियों और निर्वाचन रजिस्ट्रेशन अधिकारियों को मामूली त्रुटियों, जैसे नाम की वर्तनी में अंतर, के आधार पर नोटिस जारी करते समय संवेदनशीलता बरतनी चाहिए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर प्रक्रिया में फर्जीवाड़े का आरोप, कार्रवाई न होने पर सपा ने दी आंदोलन की चेतावनी

पीलीभीत में सपा नेता यूसुफ कादरी ने एसआईआर प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर घर-घर जाकर शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, जिनके माध्यम से आपत्तियां दाखिल की जा रही हैं। पीलीभीत में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व महासचिव यूसुफ कादरी ने रविवार को प्रेस वार्ता में दावा किया कि एसआईआर की तिथि बढ़ाए जाने के बावजूद पहले से भरे गए फार्म और प्रकाशित मतदाता सूची के बाद जिस तरह जानबूझकर गलत आपत्तियां दर्ज कराई जा रही हैं, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक सुनियोजित योजना के तहत जनपद की चारों विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 50 हजार से अधिक प्रपत्र संख्या-7 वितरित किए गए। प्रत्येक बूथ पर 50 से 100 मतदाताओं के नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर घर-घर जाकर शिकायतें दर्ज कराई जा रही हैं, जिनके माध्यम से आपत्तियां दाखिल की जा रही हैं। संबंधित बीएलओ पर भी अनावश्यक दबाव बनाए जाने की बात कही गई। बताया गया कि यह मामला पहले बाकरगंज में सामने आया, इसके बाद मुढ़ालिया गौस, शाही नगर, रफतनगर और मानपुर गांव में भी इसी तरह की शिकायतें मिली हैं। मानपुर गांव में 115 प्रपत्र सामने आए, जिन पर शिकायतकर्ता द्वारा हस्ताक्षर दर्शाए गए थे

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राथमिकता, वित्त मंत्री बोलीं- लोक लुभा वन एलान नहीं सुधारों पर फोकस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि बजट 2026-27 की बुनियाद नीति स्थिरता है। उन्होंने कहा कि बजट में तात्कालिक लाभ के बजाय नीति स्थिरता, दीर्घकालिक योजना और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को बजट 2026-27 को लेकर कई अहम बातें कही। उन्होंने कहा कि बार-बार बदलती नीतियों से पैदा होने वाली अनिश्चितता को खत्म करना ही इस बार के बजट की असली सोच है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की %पॉलिसी पिंग-पोंग% से बचने की सोच ही केंद्रीय बजट 2026-27 की सबसे बड़ी नींव है। उन्होंने बताया कि बजट में तात्कालिक लाभ के बजाय नीति स्थिरता, दीर्घकालिक योजना और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है।न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में सीतारमण ने कहा कि यह बजट नए पांच साल के वित्तीय चक्र का पहला बजट है और 21वीं सदी की दूसरी तिमाही का पहला बजट है। इस बजट में किसी तरह के लोकलुभावन एलान की बजाय पूंजीगत खर्च (कैपिटल एक्सपेंडिचर), इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और संरचनात्मक सुधारों को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही सरकार ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने पर भी पूरा ध्यान दिया गया है।नीति में स्थिरता जनता का जनादेश उन्होंने बताया कि लोगों को स्थिरता चाहिए थी, इसलिए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार चुना। यह स्थिरता नीतियों में भी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की तीसरी जीत इस बात का संकेत है कि जनता नीति और राजनीतिक स्थिरता चाहती है, जिसे सरकार विकास की बुनियाद मानती है। 'पॉलिसी पिंग-पोंग' से बचने की सोच- वित्त मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री बार-बार इस बात पर जोर देते हैं कि एक बार कोई नीति तय हो जाए, तो उसे लगातार और मजबूती से लागू किया जाना चाहिए, न कि बार-बार दिशा बदली जाए। यही सोच बजट की नीतियों में भी झलकती है। उससे आगे, 2050 तक की तैयारी कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य है कि आजादी के 100 साल पूरे होने तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाया जाए और अगले 25 वर्षों की चुनौतियों के लिए देश को तैयार किया जाए।इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश सरकार की बड़ी सफलता इसके साथ ही वित्त मंत्री ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च इस सरकार की बड़ी सफलता रही है। उन्होंने कहा कि कोविड के बाद केंद्र सरकार के विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों के जरिए बड़े स्तर पर विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्यों ने भी 50 साल के ब्याज मुक्त कर्ज का बेहतर इस्तेमाल किया है। कई राज्यों ने अपने खास प्रोजेक्ट शुरू किए हैं और यह साबित किया है कि वे और ज्यादा फंड का सही उपयोग कर सकते है।

शिवसेना यूबीटी और मनसे के दबाव में भाजपा ने रितु तावड़े को मुंबई का मेयर चुना, संजय राउत का दावा

शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा है कि भाजपा ने शिवसेना यूबीटी और मनसे को मिले मराठी समुदाय के समर्थन के चलते ही रितु तावड़े को मेयर पद का उम्मीदवार चुना है।शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने रविवार को दावा किया कि बीएमसी चुनाव में उनकी पार्टी और मनसे को मराठी लोगों की ओर से मिले भारी समर्थन के कारण ही भाजपा को मुंबई के लिए एक मराठी मेयर चुनना पड़ा। शनिवार को संघ के शताब्दी समारोह में फिल्म अभिनेता सलमान खान को मोहन भागवत से बातचीत करते देखा गया। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने इसे लेकर संघ पर निशाना साधा।राज्यसभा सदस्य राउत ने पूछा, क्या यह बॉलीवुड स्टार सलमान खान का स्वागत था या संघ और उसकी शाखाओं में मुसलमानों का भी स्वागत है? उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से हिंदू-मुस्लिम नफरत और बदले की भावना वाला प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है। संघ भी इसका हिस्सा है, ऐसे में भागवत को इस बारे में साफ करना चाहिए था।भाजपा द्वारा मुंबई मेयर पद के लिए रितु तावड़े (53) को नामांकित करने पर संजय राउत ने कहा कि वह मूल रूप से कांग्रेस की हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के पास अपना कुछ भी असली नहीं है। उन्होंने कहा, %जिस तरह से मराठी लोगों ने शिवसेना यूबीटी और मनसे को भारी संख्या में वोट दिया, उसके चलते भाजपा को मुंबई में एक मराठी मेयर बनाना पड़ा।% तावड़े का मुंबई की मेयर बनना लगभग तय है और वे बीते चार दशकों में भाजपा की पहली मेयर होंगी। कोई उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया है, जिससे मुकाबला निर्विरोध हो गया और देश के सबसे अमीर नागरिक निकाय पर ठाकरे परिवार का 25 साल का दबदबा खत्म हो गया।

संपादकीय Editorial

Unpublished Book in Parliament

The Lok Sabha was to discuss the motion of thanks on the President's address. Traditionally, MPs discuss and even criticize the government's policies, programs, and priorities outlined by the President in his address. The opposition's agenda may be different. Recall that when the Congress-led PV Narasimha Rao government was at the center and Atal Bihari Vajpayee was the Leader of the Opposition, Atal ji aggressively raised the issue of China during the debate on the President's address and even criticized the government. When the Congress and UPA governments were in power under Prime Minister Manmohan Singh, LK Advani was the Leader of the Opposition. He too sharply criticized the Manmohan Singh government, citing border disputes, security disputes, and military tensions with China. Speaking on India-China relations, conflicts, and disputes in Parliament is not "forbidden." MPs have the constitutional freedom to choose which issues they raise. However, both houses of Parliament—the Lok Sabha and the Rajya Sabha—are bound by certain rules. Under Rule 349 (1) of the Lok Sabha, MPs cannot quote from any book, magazine, or newspaper unless they verify the quotations. Under Rule 353, if an MP wishes to speak on this basis, they must first give notice to the Speaker and the relevant minister. Speaker Om Birla repeatedly cited these rules in the context of Leader of the Opposition Rahul Gandhi's quotes. The Speaker also gave his ruling as per the rules, but the Leader of the Opposition remained adamant. He continued to question why the government was afraid and why the government was uncomfortable with his statements. In fact, the Leader of the Opposition wanted to expose Prime Minister Modi, Defense Minister Rajnath Singh, and Home Minister Amit Shah by reading excerpts from a yet-unpublished book written by former Army Chief General Manoj Mukund Naravane in Parliament. The sentences Rahul Gandhi spoke mentioned the Doklam standoff, while tensions, confrontations, and war-like situations with the Chinese army had arisen in eastern Ladakh. The "Galwan conflict" of June 2020, in which 20 of our brave soldiers were martyred, also occurred in Ladakh. General Naravane was the Army Chief at the time and held this position until April 2022. It is noteworthy that General Naravane's alleged autobiography, "Four Stars of Destiny," has not yet been published, but its hardcover is available on online shopping sites from April 2024. Granting permission for the publication of a book is the government's prerogative, as the former Army Chief's book also touches on national security and our war strategy. Our enemy nation could exploit this information unjustly. Therefore, Defense Minister Rajnath Singh's objection and intervention in Parliament were logical. He urged the Speaker not to allow the Leader of the Opposition to speak on this subject, as he was misleading the country. Rahul Gandhi held a photocopy of the Delhi Press magazine "Caravan," which contained excerpts. Previously, some excerpts had been published in "The Print" magazine about two years earlier. News agency PTI published some excerpts in December 2023. It's clear that many passages from General Naravane's book have already been made public. The Defense Minister, Home Minister, and Parliamentary Affairs Minister strongly objected to the book in the House to prevent Rahul Gandhi from entering controversial information into the Lok Sabha records, thus distorting history. In fact, the China issue isn't limited to General Naravane's revelations. The current context has also exposed the contradictions of former Army generals and experts like Colonels. Some former generals.

A new beginning with the US, Trump reduced tariffs from 50% to 18%

This agreement embodies Modi's long-term vision to establish India as a confident, alternative, and influential power globally. India is now in a much better position to dictate terms in any deal. The US reduced tariffs on Indian goods from 50% to 18%. Modi's diplomacy strengthened India's global position. The agreement reinforces India's strategic autonomy. First, the sealing of the much-anticipated free trade agreement with the European Union, and within days, the truce in a kind of trade war with the US, are undoubtedly major achievements for Prime Minister Narendra Modi. The new year could hardly have started better for him, especially after the previous year was marked by diplomatic tensions, the threat of war during Operation Sindoor, and the conflict with the US. In this context, the reconciliation of the situation with the US speaks volumes. The US decision to reduce tariffs on Indian goods from 50 percent to 18 percent is not just an economic relief, but also a confirmation of Modi's foreign policy ambition and determination. While many analysts assumed that India would face constant pressure and humiliation in the era of Trump 2.0, Modi, with patience, strategy, and confidence, turned the situation around. This agreement demonstrates that India is no longer a reacting nation in global politics, but a guiding force. In essence, Modi accomplished what many global leaders failed to achieve. He understood Trump's infamous "The Art of the Deal" strategy and leveraged it to India's advantage. Trump's bargaining has been characterized by aggressive, pressure-driven, and exaggerated claims. Even US allies like Canada, Europe, Japan, and South Korea often found themselves on the defensive in the face of this style. India itself had failed in its attempt to secure a limited trade agreement during Trump's first term, but this time Modi neither showed haste nor surrendered. He gave Trump the political and psychological satisfaction the US President was seeking, while the real benefits went to India. This is a testament to Modi's diplomatic maturity and confidence. Amid the tariff cuts, Trump also made unilateral claims, such as that India would completely stop purchasing Russian oil, that India would purchase up to $500 billion worth of American products, and that it would eliminate all tariff and non-tariff barriers on American goods. These claims are as dramatic as they appear impractical. India's total annual imports from the US are less than $50 billion. The $500 billion figure is more of a political slogan than a policy one. India's complete liberalization in sensitive sectors like agriculture is impossible, given domestic politics and social stability. Modi's silence on these points indicates that India views this agreement as a directional signal, not a final and binding agreement. In its essence, this development is more of a political breakthrough than a concrete agreement. This is consistent with the Trump administration's tendency to make big announcements first and finalize details later. In the past, similar "framework agreements" were announced with the European Union, South Korea, and other countries, but their implementation proved complex and lengthy. The India-US agreement also falls into this category. While its goals of reducing tensions, restoring trade, and bridging the strategic gap are clear, the details remain. Sometimes, setting a course in diplomacy is the most difficult task. Instead of succumbing to US pressure, India expanded its options over the past year: energy cooperation with Russia, limited political dialogue with China, and, most importantly, a historic free trade agreement with the European Union. If Washington had continued its trade confrontation with India, American companies would have been excluded from the world's fastest-growing major market. This is precisely what forced the US to back down from its stubborn stance. The agreement with the EU played a decisive role in this. The shift in US stance is also a major relief for India, as its 50 percent tariff had limited India to a large market. The reduction of US tariffs to 18 percent is not only a relief for Indian exporters but also puts India back in the league of Asian competitors. This will provide a boost to sectors such as textiles, apparel, gemstones, and marine products. India could once again become a viable alternative for global supply chains shifting away from China. Opportunities that were slipping away due to high tariffs could be regained. Growing closeness with the US will also send a message to China that India has strategic options. However, strategic autonomy remains a core element of Modi's foreign policy. This agreement is not a means of renouncing that autonomy, but rather a means of strengthening it. The trade agreement with the US is a new beginning, not a final destination. It presents both opportunities and challenges. Opportunities because, if this process moves forward, India-US relations could truly become the center of global politics. Challenges because differences in details, domestic pressures, and Trump's unpredictable politics could derail this process. Nevertheless, Modi deserves credit. He demonstrated that India is no longer a country that bows to pressure. This agreement embodies Modi's long-term vision of establishing India as a confident, alternative, and influential power globally. India is now in a much better position to dictate the terms of any deal.

Accustomed to opposition, Congress disapproved of the India-US trade agreement.

The irony is that even after losing election after election, Congress is unwilling to understand that the opposition's job isn't merely to make hollow criticisms or level sensational allegations. Congress's habit of opposing every government decision has become so intense that it has become irrelevant to logic and facts. Congress immediately opposed the India-US trade agreement. Rahul Gandhi accused the government of selling the labor of farmers. The opposition is prone to opposition without facts. As feared, so it happened. Congress also disapproved of the trade agreement with the United States. As soon as the US President announced a reduction in tariffs on Indian goods from 50 percent to 18 percent, Congress began raising objections. It's true that Trump's post regarding the trade agreement raised some questions, but instead of seeking answers, Congress leaders concluded that Prime Minister Modi agreed to the agreement out of compulsion. Rahul Gandhi didn't hesitate to say that the Prime Minister had sold the farmers' hard work. Congress was so quick to object to the agreement reached that it neither reviewed the Indian Prime Minister's post on the US President's post nor waited for the Commerce Minister's response. When the Commerce Minister clarified that the trade agreement would protect India's interests in agriculture and dairy, and the US Trade Representative also confirmed this, Congress was left with nothing to say. It then began questioning why the government hadn't provided information about this in Parliament. Although the Commerce Minister explained the circumstances that prevented him from making a statement in Parliament, Congress remained unconvinced. Congress continues to question the upcoming trade agreement with the US, and some other opposition parties are also doing the same. Common sense dictates that one waits for the details to be revealed before questioning any agreement or agreement, but in today's Indian politics, this understanding is becoming less and less relevant. Instead, there's a growing tendency to raise the banner of protest for the sake of protest. While every party displays this tendency while in opposition, the Congress party has perhaps mastered it. This is why its criticism and condemnation garner discussion, but it leaves no impact, sparks no meaningful debate, or forces the ruling party to reconsider its stance. Ironically, even after losing election after election, the Congress party remains unwilling to understand that the opposition's role isn't merely to make hollow criticism or level sensational allegations. The Congress party's habit of opposing every government decision, under all circumstances, has become so ingrained that it has become irrelevant to logic and facts.

महापुरुषों की तस्वीरें फिर दीवार पर लगीं...निलंबन के बाद भी प्रधानाध्यापिका की मौजूदगी पर उठे सवाल

कुढ़ फतेहगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नगला पूरवा स्थित परिषदीय विद्यालय में महापुरुषों की तस्वीर हटाने और प्रधानाध्यापक कक्ष के बाहर कुरान की आयत लिखी तस्वीर लगाने के मामले में हंगामे के बाद प्रधानाध्यापिका और एक सहायक अध्यापक पर निलंबन की कार्रवाई की गई थी। इसके बाद विद्यालय की दीवारों पर महापुरुषों की तस्वीरें सम्मान के साथ दोबारा लगा दी गई हैं। शनिवार को संगठनों के कार्यकर्ता फिर विद्यालय पहुंचे। उन्होंने निलंबन के बावजूद प्रधानाध्यापिका पुष्पा रानी के स्कूल में होने पर सवाल खड़े किए। कार्यकर्ताओं ने जांच कराने की मांग भी की। दूसरी ओर, कुरान की आयत वाली तस्वीर लगाने के मामले में निलंबित सहायक अध्यापक मोहम्मद नाजिम ने खुद को बेकसूर बताया है। प्रधानाध्यापिका पुष्पा रानी इस मामले की जिम्मेदारी मोहम्मद नाजिम पर डाल रही हैं। पुष्पा रानी का कहना है कि उनका दोष केवल इतना है कि उन्होंने तस्वीर लगाए जाने की सूचना समय पर वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी। वहीं सहायक अध्यापक मोहम्मद नाजिम ने कहा कि पुष्पा रानी विद्यालय में रहते हुए समाजवादी पार्टी के लिए प्रचार करती हैं और उनकी कार्यशैली विवादों में रही है। उन्हें इस मामले में फंसाने के लिए षड्यंत्र रचा गया है। मोहम्मद नाजिम ने स्पष्ट किया कि आयतों वाली तस्वीर लगाने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। वह स्कूल की बात तो दूर कभी गांव की मस्जिद में भी नमाज अदा करने नहीं गये। वह केवल जुमे की नमाज पढ़ते हैं और विद्यालय की छुट्टी दोपहर तीन बजे होने के बाद ही घर जाकर नमाज अदा करते हैं। शिक्षकों के बीच आरोप-प्रत्यारोप के हालात में सच जानने के लिए निगाहें प्रशासन की जांच रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

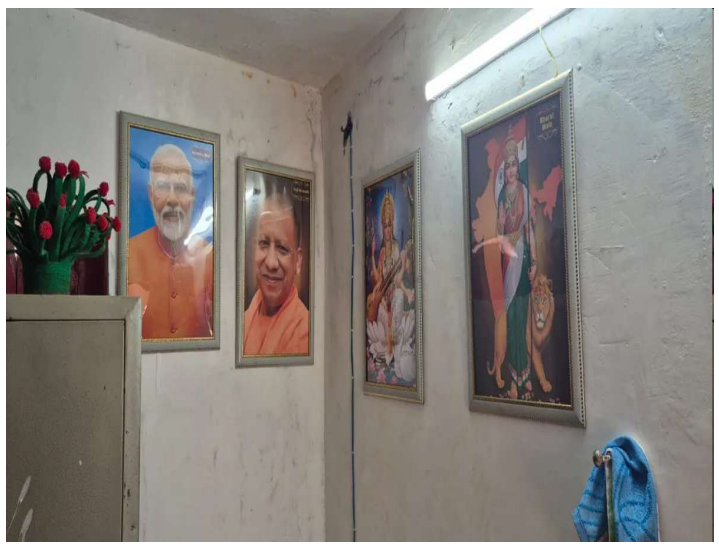

रामपुर के खानपान से परिचित होंगे लोग, बनेगी डॉक्यूमेंट्री

मुरादाबाद। दुनिया में अपनी विचित्र शैली और जायके के लिए मशहूर रामपुरी खाने पर डॉक्यूमेंट्री की शूटिंग शुरू हुई है। रूमिनेटर स्टूडियोज के बैनर तले बन रही इस डॉक्यूमेंटरी में भारत के सात विभिन्न क्षेत्रों के खानपान का जिक्र है। जिसमें रामपुर को भी चुना गया है, जिसका प्रतिनिधित्व रामपुरी क्यूजीन के माहिर सेलेब्रिटी मास्टर शेफ ओसामा जलाली ने किया। दिल्ली और मुंबई से आई 12 लोगों की टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शूटिंग की और रामपुरी संस्कृति के प्रतीक जैसे हब्शी हलवा, टोपी, चाकू, रामपुरी गरारे आदि को तैयार होते देखा। शूटिंग टीम ने रामपुर के इतिहास के जानकार और आईएमसीए के अध्यक्ष सिविल लाइंस निवासी डॉ. सैयद मोमिन इकबाल के साथ रजा लाइब्रेरी में दुर्लभ पांडुलिपियों का विश्लेषण किया और प्राचीन पुस्तकों को देखा। इसके बाद पटवाई स्थित उनके मर्जान फार्म पर रामपुर की मशहूर डिश तार-गोश्त, दाल की खिचड़ी पकाई और उसका फिल्मांकन किया। ओसामा जलाली मशहूर इस्लामिक विद्वान मौलाना अब्दुल दयाम जलाली के पोते हैं और मूल रूप से रामपुर निवासी ही हैं। नोएडा में एट मजलिस भारत के विभिन्न हिस्सों से आने वाले पारंपरिक और प्रामाणिक व्यंजनों को विशेष रूप से परोसने के लिए प्रसिद्ध है। जहां हर क्षेत्र के अनोखे स्वाद और पाक परंपराओं की झलक मिलती है। इस मौके पर सैयद आरिफ इकबाल, सैयद माज इकबाल, अभिषेक कुमार, कुबेर स्वरूप, शहादत अली उर्फ भूरा आदि मौजूद रहे।

धूप ने दी फौरी राहत, ठंडी हवा ने बरकरार रखा सर्दी का असर

मुरादाबाद- सुबह से ही आसमान साफ रहा और धूप निकलने से ठंड से कुछ हद तक निजात मिली। सुबह टहलने निकले लोगों और बाजारों में खरीदारी के लिए पहुंचे नागरिकों के चेहरों पर राहत साफ दिखाई दी। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ ही ठंडी हवा चलती रही, जिससे सर्दी का अहसास बना रहा। धूप निकलने से जहां घरों में तापमान कुछ बेहतर हुआ, वहीं खुले स्थानों पर ठंडी हवा के कारण लोग गर्म कपड़ों में ही नजर आए। दोपहर के समय सूर्य की किरणें तेज रहीं, लेकिन हवा की ठंडक ने पूरी तरह गर्माहट महसूस नहीं होने दी। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम होते-होते एक बार फिर ठंड का असर बढ़ गया। सूर्यास्त के बाद हवा में ठंडक बढ़ने से लोगों को स्वेटर और जैकेट का सहारा लेना पड़ा। खासकर बुजुर्गों और बच्चों ने ठंडी हवा से बचाव के लिए सावधानी बरती। रोडवेज बस अड्डा, रेलवे स्टेशन के बाहर चाय की दुकानों लोग सर्दी से राहत पाने की कोशिश करते दिखे। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में सुबह-शाम ठंड बनी रह सकती है, जबकि दिन में धूप निकलने की संभावना है। ऐसे में लोगों को बदलते मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

महापौर से मिलेंगे व्यापारी, समाधान न निकला तो बाजार बंद की चेतावनी

मुरादाबाद। नगर निगम द्वारा रविवार को दुकानों को सील किए जाने को लेकर जारी किए गए पत्र के बाद व्यापारियों में रोष व्याप्त है। इसी क्रम में शनिवार को दुर्गा मंदिर परिसर में व्यापारी सुरक्षा फोरम की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। बैठक में नगर निगम के इस कदम पर चर्चा की गई और इसे व्यापारियों के हितों के खिलाफ बताया गया।शनिवार को भी व्यापारियों ने नगर निगम के निर्णय का विरोध जताते हुए टाउन हॉल बाजार बंद किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष विजय मदान ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर रविवार को महापौर विनोद अग्रवाल ने व्यापारियों को वार्ता के लिए बुलाया है। उन्होंने कहा कि व्यापारी चाहते हैं कि बातचीत के जरिए कोई सकारात्मक समाधान निकले, जिससे दुकानों को सील करने जैसी कठोर कार्रवाई से बचा जा सके। हालांकि, यदि बैठक में कोई समाधान नहीं निकलता है तो व्यापारियों को मजबूरन बाजार बंद करने का निर्णय लेना पड़ेगा। महामंत्री नितिन राज ने कहा कि व्यापारी वर्ग पर किसी भी प्रकार का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। व्यापारी हमेशा नगर निगम के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं, लेकिन एकतरफा और दमनकारी कार्रवाई स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के अंत में सभी व्यापारियों ने एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का संकल्प लिया।

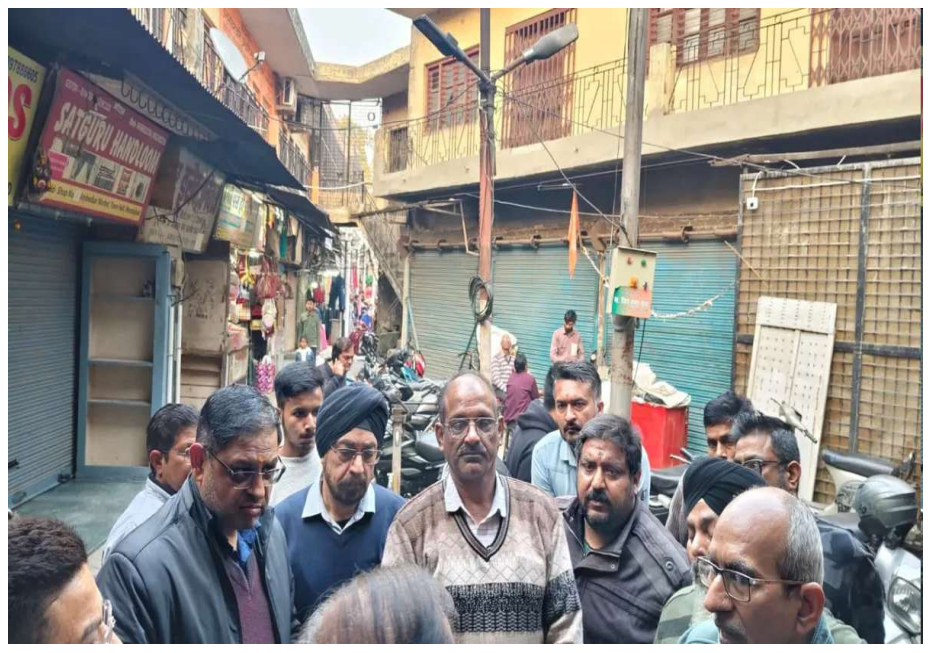

महाशिवरात्रि पर टूटी सड़क पर हिचकोले खाएंगे कांवड़िये

मुरादाबाद। महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने के लिए शिवालयों पर आने जाने वाले कांवड़िये और अन्य शिवभक्त टूटी सड़क पर हिचकोले खाएंगे क्योंकि गड्ढामुक्त सड़क अभियान केवल कागजों में सिमटा दिख रहा है। महानगर की सड़कें तो जर्जर हाल में हैं ही, मुरादाबाद-कांठ-हरिद्वार हाईवे कई जगह धंसी है। जिससे वाहनों के असंतुलित होने पर हादसे की आशंका बनी रहती है। महाशिवरात्रि पर हरिद्वार से गंगाजल भरकर हजारों कांवड़िये भी मुरादाबाद के जर्जर रास्तों से गुजरेंगे। महाशिवरात्रि के पर्व को चंद दिन रह गए हैं। यातायात पुलिस ने एक तरफ जहां डायवर्जन की तैयारी की है तो अन्य विभागों को भी प्रबंध देखने हैं। लेकिन मुख्य मार्गों के अलावा अंदरूनी सड़कों की खस्ताहाली स्थानीय के अलावा बाहर से आने जाने वालों को भी संकट में डाल सकती है। महाशिवरात्रि पर जहां शिवालयों में बड़ी संख्या में शिवभक्त जलाभिषेक करने पहुंचेंगे वहीं हरिद्वार से भी गंगाजल भर कर कांवड़िये जलाभिषेक के लिए आते हैं। मगर मुरादाबाद-कांठ-हरिद्वार हाईवे भी कई जगह धंस गया है। जबकि चंद महीने पहले ही इसे ठीक कराया गया था। यही स्थिति महानगर के पॉश कॉलोनियों व उनकी अंदरूनी सड़कों की भी है। टूटी सड़कों पर जहां तहां गड्ढे हो गए हैं। जिसमें हिचकोले खाते हुए आवागमन करना पड़ रहा है। आशियाना कॉलोनी स्थित ढाप वाले मंदिर की ओर से जाने वाली सड़क भी कई जगह टूटी हुई है। विकास भवन से होकर अंदर के रास्ते ढाप वाले मंदिर की सड़क कई जगह टूटी है। नगर निगम, लोनिवि व एमडीए के अधिकारियों का ध्यान इन टूटी सड़कों को ठीक कराने में नहीं है। महानगर के कई अन्य मोहल्लों में स्थित शिवालयों के आसपास भी हालत ऐसी ही है। ऐसे में महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों को इन टूटी सड़कों से दो चार होना पड़ेगा। कई जगह गड्ढों में तब्दील हुई सड़क, बारिश का पानी अभी भी भरा-आशियाना फेज एक से होकर गुजरने वाली मुख्य सड़क एक नहीं कई जगह गड्ढों में तब्दील हो गई है। पिछले दिनों हुई बारिश का पानी अभी भी सड़क के गड्ढों में भरा है। जबकि इस मार्ग पर कई निजी अस्पताल व नर्सिंग होम्स संचालित हैं। जिसमें सैकड़ों की संख्या में मरीज और उनके तीमारदारों का आना जाता होता है। एंबुलेंस और स्कूली वाहन भी इस सड़क के गड्ढों में हिचकोले खाते हुए गुजरते हैं। जबकि स्थानीय नागरिक इसे अपनी नियति मान चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

कपड़ा कारोबारी की पत्नी का कत्ल, घर के अंदर था खौफनाक दृश्य; बुर्का पहने महिला की भूमिका संदेह के घेरे में

रामपुर में घर में अकेली मौजूद वृद्ध महिला की हत्या कर जेवरात व नकदी लूटने के मामले में एक महिला के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध महिला बुर्के में मृतका के घर की गली से आती-जाती हुई दिखाई दी है। रामपुर के टांडा में मोहल्ला नज्जुपुरा निवासी कपड़ा कारोबारी मोहम्मद रफी की पत्नी रफत शाहीन (65) की शनिवार को दिनदहाड़े बदमाशों ने घर में घुसकर गला घोटकर हत्या कर दी और नकदी-जेवर लूटकर भाग गए। सूचना पर पुलिस व फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए।टांडा के मोहल्ला नज्जुपुरा निवासी मोहम्मद रफी कपड़े की दुकान चलाते हैं। शनिवार को मोहम्मद रफी अपने बेटे हारिश के साथ दुकान पर गए थे, जबकि घर पर मोहम्मद रफी की 65 वर्षीय पत्नी रफत शाहीन घर पर अकेली थीं। दोपहर में बदमाश उनके घर में घुस आए और रफत शाहीन की हत्या कर नकदी व जेवर लूटकर भाग गए।टांडा के मोहल्ला नज्जुपुरा निवासी मोहम्मद रफी कपड़े की दुकान चलाते हैं। शनिवार को मोहम्मद रफी अपने बेटे हारिश के साथ दुकान पर गए थे, जबकि घर पर मोहम्मद रफी की 65 वर्षीय पत्नी रफत शाहीन घर पर अकेली थीं। दोपहर में बदमाश उनके घर में घुस आए और रफत शाहीन की हत्या कर नकदी व जेवर लूटकर भाग गए।साप्ताहिक दीनी बैठक में शामिल होने आईं एक महिला जब उनके घर पहुंची तो रफत बेहोशी की हालत में पड़ी मिलीं। उन्होंने उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई हरकत नहीं हुई, जिस पर महिला उनके बेटे हारिश की दुकान पर पहुंची और सूचना दी। हारिश आनन-फानन घर पहुंचा और मां को उपचार के लिए चिकित्सक के पास लग गया, जहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बिखरा पड़ा था सामान, गायब थे जेवर व नकदी- सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल की। हारिश ने बताया कि उसकी शादी के लिए अलमारी में सोने के जेवर और लाखों रुपये रखे थे, लेकिन जब वह घर में पहुंचा तो अलमारी का सामान बिखरा पड़ा था और जेवर व नकदी गायब थे। मां के गले में दुपट्टा लिपटा हुआ था। गला घोटकर हत्या करने की आशंका- परिजनों ने लूट के विरोध पर गला घोटकर हत्या करने की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही सीओ कीर्ति निधि आनंद भी मौके पर पहुंच गए। वहीं फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दिनदहाड़े घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या की घटना के बाद से मोहल्ले के लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों में आक्रोश जताते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। साथ ही पुलिस से खुलासा करने और गश्त बढ़ाने की मांग की है। घर में घुसकर महिला की हत्या की गई है। सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर खुलासा किया जाएगा। लूटपाट की बात की भी जांच की जा रही है। -कीर्ति निधि आनंद सीओ टांडा- पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले- दिनदहाड़े घर में घुसकर बुजुर्ग महिला की हत्या व लूट की वारदात के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई हैं। सीओ ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के लोगों से पूछताछ की है। पुलिस ने संदिग्धों की जानकारी जुटाने के लिए पड़ोसियों व दुकानदारों से भी जानकारी ली और आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। सीओ का कहना है कि यह मामला बेहद गंभीर है और हर एंगल से जांच की जा रही है। जल्द ही सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। बुर्का पहने महिला की भूमिका संदेह के घेरे में, पुलिस ने शुरू की जांच-नगर के मोहल्ला नज्जुपुरा में घर में अकेली मौजूद वृद्ध महिला की हत्या कर जेवरात व नकदी लूटने के मामले में एक महिला के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध महिला बुर्के में मृतका के घर की गली से आती-जाती हुई दिखाई दी है। बताया जा रहा है कि उक्त वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है, जिसके कारण क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। इसी आधार पर आशंका जताई जा रही है कि बुर्का पहने महिला की इस वारदात में किसी न किसी रूप में संलिप्तता हो सकती है। हालांकि पुलिस की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर गहनता से जांच की जा रही रही है है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मंदिरों और पर्यटन स्थलों की संवरेगी सूरत, मार्च में शुरू होंगे कई विकास कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सात नाथ मंदिरों सहित अन्य धार्मिक व पर्यटन स्थलों को

विकसित किया जाना है। सरकार की मंशा है कि जिले में अधिक से अधिक पर्यटक आएं। अक्तूबर 2025 में पर्यटन विभाग की ओर से अहिच्छत्र, सिरोही शिव मंदिर, बड़ा बाग हनुमान मंदिर, रामजानकी मंदिर, ठाकुर जी मंदिर, पहलऊनाथ मंदिर के विकास के लिए प्रस्ताव शासन को भेजे गए थे, जिन्हें स्वीकृति भी मिल गई थी। अब पर्यटन विभाग की ओर से एजेंसियों का चयन किया जा रहा है। मार्च की शुरुआत में ही 12 करोड़ रुपये की लागत से काम शुरू होने की उम्मीद है।इन मंदिरों में होना है कार्य पर्यटन विभाग के अनुसार, बड़ा बाग हनुमान मंदिर में 355.54 लाख रुपये की लागत से बहुउद्देशीय हॉल, धर्मशाला, मुख्य द्वार, परिक्रमा स्थल, लाइटिंग आदि के कार्य किए जाने हैं। आंवला तहसील क्षेत्र में स्थित अहिच्छत्र में यात्री विश्राम गृह, अतिरिक्त विकास और उद्यान के लिए शासन ने 213.40 लाख के प्रस्ताव को मंजूर करते हुए बजट जारी कर दिया है। आलमपुर जाफराबादङ्क ब्लॉक में स्थित सिरोही शिव मंदिर परिसर में बहुउद्देशीय हॉल, यात्री पाथ-वे आदि, विश्राम गृह बनाया जाना है। रामजानकी मंदिर में बहुउद्देशीय हॉल, मुख्य द्वार, पाथ-वे और उद्यान का निर्माण होना है। इसके लिए 296.63 लाख रुपये की मंजूरी मिल चुकी है। मीरगंज स्थित ठाकुर जी मंदिर परिसर में बहुउद्देशीय हॉल, धर्मशाला के साथ उद्यान के लिए 106.44 लाख रुपये की धनराशि आई है। फरीदपुर स्थित पहलऊनाथ शिव मंदिर परिसर में बहुउद्देशीय हॉल, संत विश्राम गृह, पाथ-वे और उद्यान के लिए प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए शासन ने 103.05 लाख का बजट स्वीकृत किया है।

श्रीमद्भागवत कथा में श्रीकृष्ण लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन

सप्तम दिवस में सुदामा चरित्र तक हुआ मंगल विश्राम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री कृष्ण कृपा प्रचार समिति के 33वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के सप्तम दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा के प्रेरणा स्रोत पूज्य गुरुदेव श्री वेदांतानंद महाराज जी के कृपापात्र श्री ब्रह्मचारी भोलानंद जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में भगवान श्रीकृष्ण के सोलह हजार एक सौ आठ विवाहों, महाराज अनिरुद्ध के जन्म, समरासुर वध, स्यमंतक उपाख्यान, भौमासुर वध, अनिरुद्ध विवाह, राजसूय यज्ञ और जरासंध वध का विस्तार से वर्णन किया गया। श्रीकृष्ण की अग्रज पूजा तथा श्रीकृष्ण-सुदामा मित्रता प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मंगल विश्राम अवसर पर पूज्य महाराज जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा जीवन को सही दिशा देने वाली है। इसका श्रवण मानव को सदमार्ग पर चलने और आत्मिक शांति प्राप्त करने की प्रेरणा देता है। शाम के सत्र में आयोजित भजन संध्या के कार्यक्रम को भक्तिमय बना दिया। भजन गायकों में भजन गायक जगदीश भाटिया, विनोद ग्रोवर, दिनेश तनेजा, दीपक भाटिया, विजय बंसल ,दीपक अरोड़ा और होशियार सिंह ने सुमधुर भजनों से वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। भजन संध्या के साथ ही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत समापन हुआ।

बाइकों में आमने-सामने भिड़ंत, दो की मौत... दो की हालत नाजुक; ई-रिक्शा को बचाने में हुआ हादसा

रायबरेली में बाइकों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो की मौत हो गई। जबकि, दो की हालत नाजुक बनी हुई है। ई-रिक्शा को बचाने में हादसा हुआ। यूपी के रायबरेली में रविवार

को भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों के सीएचसी पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर वहां से दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। हादसा लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बांदा-बहराइच मार्ग पर शोभवापुर गांव के पास हुआ। बताया गया कि एक बाइक को सरेनी थाना क्षेत्र के रावतपुर कला गांव निवासी तेज बहादुर (28) पुत्र छेदीलाल बाइक चला रहा था। उसके साथ चचेरा भाई राम प्रसाद (32) पुत्र रामकरन और उसके मामा धुन्नर (30) पुत्र रामनाथ निवासी मंगा खेड़ा मजरा सेमरपहा सवार थे। ये लोग दो-सड़का की ओर जा रहे थे। दूसरी बाइक पर खीरो थाना क्षेत्र के पाहो गांव निवासी महेंद्र सिंह (55) पुत्र रामराज सिंह सवार थे। वह गेगासों गंगा घाट से अंतिम संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शोभवापुर गांव के पास एक ई-रिक्शा को बचाने के प्रयास में दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने महेंद्र सिंह और तेज बहादुर को मृत घोषित कर दिया। राम प्रसाद और धुन्नर की हालत गंभीर बनी हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वन-टाइम टैक्स से व्यावसायिक वाहन स्वामियों को राहत

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। परिवहन विभाग ने व्यावसायिक वाहन चालकों को राहत देते हुए वन टाइम टैक्स योजना लागू की है। इस योजना के तहत 7500 किलोग्राम तक वजन वाले व्यावसायिक वाहनों के मालिकों को अब

में आसान सुविधा योजना के तहत 28 हजार वाहनों से को लगभग आठ राजस्व प्राप्त होगा। प्रशासन के पंकज कि इससे पहले कैब, मैक्सी कैब, मालवाहक और अन्य विशेष व्यवसायिक वाहनों के संचालकों को सालाना या छह माह में टैक्स जमा करने की चिंता रहती थी। अब उन्हें वन-टाइम टैक्स विकल्प के जरिये राहत मिल जाएगी। नई योजना में अलग-अलग प्रकार के वाहनों के लिए टैक्स दरें निर्धारित की गई हैं। किराये या मेहनताना पर चलने वाली बाइकों के लिए टैक्स दर 12.5 प्रतिशत तय की गई है, जबकि तीन पहिया मोटर कैब पर यह सात प्रतिशत होगी। चार पहिया मोटर कैब और मैक्सी कैब के टैक्स की दर वाहन की कीमत पर निर्भर करेगी। 10 लाख रुपये तक की कीमत वाले वाहनों पर 10.5 प्रतिशत और उससे अधिक कीमत वाले वाहनों पर 12.5 प्रतिशत टैक्स लगेगा। आरटीओ के अनुसार क्रेन, ड्रिलिंग मशीन और कंक्रीट मिक्सर जैसे विशेष व्यावसायिक वाहनों पर कुल मूल्य का 6 प्रतिशत टैक्स लागू होगा। मालवाहक वाहनों के लिए टैक्स उनकी कुल भार क्षमता पर आधारित होगा। तीन हजार किलोग्राम से अधिक जीवीडब्ल्यू वाले मालवाहक वाहन पर 3 प्रतिशत और 3,000 से 7,500 किलोग्राम तक जीवीडब्ल्यू वाले वाहन पर 6 प्रतिशत टैक्स निर्धारित किया गया है। इस योजना के लागू होने से व्यावसायिक वाहन चालकों को टैक्स जमा करने में सरलता होगी और प्रशासन को भी निश्चित राजस्व प्राप्त होगा।

बरेली के अमन कुमार का हुआ गृह मंत्रालय मे कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के पद पर चयन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। स्वामी दयानन्द सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, परौरा मीरगंज

(बरेली) के पूर्व छात्र और ग्राम होनहार युवा अपनी मेहनत अपनी पहचान क्षेत्र का नाम अमन का चयन गृह मंत्रालय में अधिकारी के बहरोली निवासी अमन कुमार ने और प्रतिभा से बनाई है। उन्होंने रोशन किया है। भारत सरकार के कनिष्ठ अनुवाद पद पर चयन हुआ है। अमन कुमार ने स्वामी दयानन्द सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, परौरा मीरगंज से कक्षा 10 एवं 12 की शिक्षा प्राप्त की। वर्तमान में अमन दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहे हैं। शैक्षिक उपलब्धियों के साथ-साथ अमन एक प्रतिभाशाली शोधार्थी एवं साहित्यकार भी हैं। उनके दो ग़ज़ल संग्रह – हवा में आग और लम्हों की तपिश – प्रकाशित हो चुके हैं, जिससे उन्हें साहित्य जगत में एक अलग पहचान मिली है।

कस्तूरबा गांधी विद्यालय में अव्यवस्थाओं पर फूटा आक्रोश, भूख हड़ताल पर बैठीं 70 छात्राएं

बहेड़ी के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं के अभाव से नाराज छात्राओं ने रविवार को भूख हड़ताल की। ग्रामीणों और शिक्षकों ने मौके पर पहुंचकर छात्राओं को समझाया, जिसके बाद

उन्होंने भूख हड़ताल समाप्त कर भोजन ग्रहण किया।बरेली के बहेड़ी के भूड़िया कॉलोनी ग्राम उतरसिया सामुखिया स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं की कमी व अव्यवस्थाओं के कारण छात्राओं में आक्रोश देखने को मिला। अव्यवस्थाओं से परेशान छात्राएं रविवार सुबह से भूख हड़ताल पर बैठ गईं, जिससे विद्यालय प्रशासन में खलबली मच गई। विद्यालय में कुल 140 छात्राएं पंजीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 70 छात्राएं ही उपस्थित हैं। आवासीय व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब बताई जा रही है। छात्राओं के लिए मात्र 40 बेड उपलब्ध हैं, जबकि शेष छात्राओं को जमीन पर सोने को मजबूर होना पड़ रहा है।छात्राओं का आरोप है कि उन्हें समय पर बिजली, पानी, भोजन, स्टेशनरी और दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है, वहीं लगातार बिजली कटौती के कारण पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। छात्राओं का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। छात्राओं ने लगाया अनदेखी करने का आरोप – विद्यालय में कुल आठ शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें पांच पूर्णकालिक और तीन अंशकालिक शिक्षक शामिल हैं। छात्राओं ने विद्यालय इंचार्ज संगीता भास्कर पर पढ़ाई और रहन-सहन से जुड़ी आवश्यक सुविधाओं की अनदेखी का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर ग्रामीणों और शिक्षकों ने मौके पर पहुंचकर छात्राओं को समझाया, जिसके बाद उन्होंने भूख हड़ताल समाप्त कर भोजन ग्रहण किया। पानी की समस्या को लेकर ग्राम प्रधान संदीप सिंह ने दो दिन के भीतर हेडपंप दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया। इसी दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रद्युम्न गंगवार कार्यकर्ताओं के साथ विद्यालय पहुंचे और छात्राओं को सभी मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की। इस पूरे मामले पर विद्यालय इंचार्ज संगीता भास्कर का कहना है कि छात्राओं की समस्याओं को गंभीरता से लिया गया है और जल्द ही सभी कमियों को दूर कराया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य मेले में बुखार के मरीजों की हुई जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मौसम में हो रहे उतार-चढ़ाव के चलते कई बीमारियां हमलावर हो गई हैं। रविवार को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जिले में 81 केंद्रों पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में त्वचा संबंधी बीमारी और बुखार के मरीजों की संख्या सबसे अधिक रही। सर्दी, खांसी, जुकाम, पेट दर्द के मरीज इलाज कराने स्वास्थ्य मेले में पहुंचे। सीएमओ डॉक्टर विश्राम सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। इसके साथ ही उनको टीबी मरीजों की खोज के लिए चल रहे विशेष अभियान के प्रति जागरूक किया गया।

बिल्वा में जल्द शुरू होगा बरातघर का निर्माण, भूमि चिह्नांकन काम हुआ पूरा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। भोजीपुरा ब्लॉक के बिल्वा ग्राम पंचायत में राजस्व एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने बरात घर निर्माण के लिए प्रस्तावित भूमि का चिह्नांकन कार्य पूरा कर लिया है। अफसरों का दावा है कि जल्द बरात घर निर्माण शुरू होगा।

14 वें वित्त आयोग की परफॉर्मेंस ग्रांट बिल्वा के अलावा ग्राम पंचायत खजुआ जागीर और मुड़िया हाफिज में भी बरात घर का निर्माण होगा। एक बरात घर के निर्माण पर 3.41 करोड़ रुपये खर्च होंगे। निर्माण की जिम्मेदारी निदेशालय ने पटना की एक फर्म को सौंपी है। 50 फीसदी धनराशि जारी की जा चुकी है। बिलवा में बरात घर के लिए पूर्व में चिह्नित जमीन पर निर्माण शुरू कराने से पहले उसकी नापजोख के लिए बीते एक जनवरी को राजस्व व पंचायतीराज विभाग के कर्मचारी पहुंचे थे। विरोध के चलते टीम को लौटना पड़ा था। इसके बाद नायब तहसीलदार विदित कुमार के नेतृत्व में टीम ने दोबारा गांव पहुंची। पुलिस को देखकर पैमाइश का कोई विरोध करने वाला नहीं आया। डीपीआरओ कमल किशोर ने बताया कि शनिवार को क्षेत्रीय लेखपाल, सचिव, प्रधान, ग्राम पंचायत के साथ कंसल्टिंग इंजीनियरों ने भी भूमि चिह्नांकन कार्य में सहयोग दिया। उन्होंने बताया कि बरात घर निर्माण कार्य शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। तीनों गांवों में बरात घर बनने से स्थानीय ग्रामीणों को विवाह और सामाजिक आयोजनों के लिए एक बेहतर और समर्पित स्थल उपलब्ध होगा, जो गांव के विकास में अहम भूमिका निभाएगा। यह चिह्नांकन ग्राम पंचायत की भूमि प्रबंधन समिति से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

देशभर में कहीं भी कराएं वाहन फिटनेस जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । आरटीओ प्रशासन पंकज सिंह ने बताया कि परिवहन विभाग ने मोटर यान अधिनियम 1998 का 29वां अधिनियम भी प्रभावी कर दिया है। इसके तहत वाहन चाहे जिस जनपद से पंजीकृत हो फिटनेस देशभर में कहीं से भी लिया जा सकता है। इस प्रावधान से वाहन स्वामियों को अनावश्यक दौड़ भाग करने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग अपने गृह जनपद से वाहन खरीदने का प्रयास करते हैं, लेकिन नौकरी पेशा होने के कारण वाहन तैनाती वाले स्थान पर साथ रखते हैं। उक्त वाहनों की फिटनेस के लिए वाहनों के उन्हें गृह जनपद का रुख करना पड़ता। लेकिन, इस नियम के प्रभावी होने से किसी भी जनपद के परिवहन विभाग में फिटनेस के लिए आवेदन कर सकेंगे। संबंधित जनपद के अधिकारी पंद्रह दिन के भीतर फिटनेस जारी कर इसे ऑनलाइन अपलोड करेंगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

पार्षद ममता रावत ने समर्थकों संग घेरा थाना, बोलीं- गाली देने वाले विधायक बेदीराम पर दर्ज हो FIR

राजधानी में सपा पार्षद ममता रावत ने समर्थकों संग थाने का घेराव किया। कहा कि गाली देने वाले विधायक बेदीराम पर स्नद्धक्रदर्ज हो। जब तक मुकदमा नहीं होता यहां से नहीं हटेंगे।राजधानी लखनऊ में भरवारा गंगोत्री विहार में नाला विवाद सपा पार्षद ममता रावत ने स्थानीय लोगों गाली-गलौज करने पर सुभासपा जाने पर अड़ी रहीं। इस दौरान बीकेडी बात का एक वीडियो भी सामने आया चेतावनी देते सुना जा सकता है। सपा स्थानीय लोगों की डिमांड पर वह नाला सुभासपा विधायक बेदीराम का घर है। की बाउंड्रीवाल के अंदर कर लिया है। लेखपाल और नाला बनाने पहुंची टीम को लेकर ममता रावत ने बीकेडी बात की। कहा कि विधायक बेदीराम ने ले लिया है। इस पर भी हम लोग कुछ ग्राउंड नाला बनवाने पर तैयार हो गए। विधायक के बेटे ने जेसीबी की चाबी किया। उन्होंने कहा कि इसके बाद हम

बढ़ता जा रहा है। रविवार को यहां से के साथ बीबीडी थाने का घेराव किया। विधायक बेदीराम पर मुकदमा लिखे विधायक योगेश शुक्ला से फोन पर है। इसमें आर-पार की लड़ाई की पार्षद ममता रावत का कहना है कि बनाने की पैरवी कर रही हैं। वहीं पर उन्होंने नाला की जगह को अपने घर विधायक और उनके बेटे ने पार्षद, के साथ गाली-गलौज किया है। मामले विधायक योगेश शुक्ला से फोन पर नाला की जमीन को अपने घर के अंदर नहीं बोले। हम लोग चक मार्ग में अंडर जब काम करने के लिए टीम पहुंची तो निकाल ली। टीम के साथ गाली गलौज लोग बीबीडी थाने पहुंचे। वहां से जेसीबी की चाबी दिलवाई। इसके बाद विधायक ने हमें और लेखपाल को गाली दी। अब वह लोग विधायक और बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग पर अड़े हैं। इसको लेकर पार्षद ने समर्थकों संग बीबीडी थाने का घेराव किया

मेरठ में शादी से कुछ घंटे पहले महिला सिपाही का अपहरण, उठाकर ले गया बदमाश अंकित ढिकोली; 24 घंटे बाद बरामद

यूपी के मेरठ जिले के गांव में शनिवार रात बरात आनी थी। इससे कुछ घंटे पहले ही अंकित ढिकोली सिपाही का अपहरण कर ले गया। पुलिस की दो टीमें और एसओजी तलाश में लगाई। रविवार शाम को महिला सिपाही को मेरठ से ही बरामद कर लिया सादात में शादी से कुछ घंटे पहले महिला सिपाही का मेरठ के ही मवाना क्षेत्र के गांव ढिकोली निवासी हिस्ट्रीशीटर है। एसएसपी ने महिला सिपाही की किया, साथ ही एसटीएफ को भी लगाया। अपहरण के बक्सर से बरामद कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, सिपाही की बरात आनी थी। बरात आने से कुछ घंटे को उठाकर ले गया। इस घटना से परिजनों में हड़कंप से संपर्क साधा और मामले की जानकारी उच्च शिकायत पर अफसरों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लिए दो विशेष टीमों का गठन किया। इसके साथ ही सिपाही की बरामदगी के लिए लगाया गया। खेड़ी से महिला सिपाही की बरात मेरठ के गांव खेड़ी से ही

गया। मेरठ के मवाना थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर अपहरण कर लिया गया। अगवा करने का आरोप बदमाश अंकित पर है। अंकित मवाना थाने का बरामदगी के लिए पुलिस की दो टीमों का गठन 24 घंटे बाद ही महिला सिपाही को मेरठ के शनिवार रात गांव अकबरपुर सादात में महिला पहले ही शाम के समय अंकित ढिकोली दुल्हन मच गया। परिवार वालों ने तत्काल थाना पुलिस अधिकारियों को दी। पीड़ित परिवार की महिला सिपाही को सकुशल बरामद करने के एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) को भी महिला आनी थी बरात, दोनों सिपाही- बताया गया कि आनी थी। महिला सिपाही अलीगढ़ के साइबर थाने में तैनात है। वहीं होने वाला दूल्हा भी अलीगढ़ के बन्ना थाने में कांस्टेबल के रूप में तैनात है। महिला 2021 बैच की कांस्टेबल है। गोपनीयता का घेरा इस संवेदनशील मामले को पुलिस द्वारा गोपनीय रखा गया। ताकि अपहरणकर्ता को पकड़ने और महिला सिपाही को सुरक्षित छुड़ाने के प्रयासों में कोई बाधा न आए। वारदात के करीब 24 घंटे बाद महिला सिपाही को पुलिस ने मेरठ के बक्सर से सकुशल बरामद कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में किशोर की मौत पर हंगामा-तोड़फोड़, लोगों ने डॉक्टर से की अभद्रता

शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में रविवार को घायल किशोर की मौत के बाद गुस्साए लोगों ने बवाल कर दिया। लोगों ने ट्रामा सेंटर में तोड़फोड़ की डॉक्टर से अभद्रता भी की गई।शाहजहांपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेज में घायल किशोर अंकित सिंह (16 वर्ष) की मौत के बाद रविवार को हंगामा हो गया। किशोर के परिजनों ने ट्रामा सेंटर के शीशे तोड़ डाले और फर्नीचर को पलट दिया। आरोप है कि डॉक्टर के साथ अभद्रता भी की गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला। ट्रेन की चपेट में आकर घायल हुआ था किशोर -जानकारी के मुताबिक निगोही थाना क्षेत्र के गांव ढकिया तिवारी निवासी अंकित सिंह ट्रेन की चपेट में आकर घायल हो गया था। परिजन उसे लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज में पहुंचे। जहां उसकी मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि किशोर का समय पर उपचार नहीं किया गया। स्टाफ ने लापरवाही की। अंकित की मौत के बाद गाड़ियों में पहुंचे लोगों ने ट्रामा सेंटर में तोड़फोड़ कर दी।स्टाफ से मारपीट करने का आरोप - शीशे तोड़ने के साथ ही फर्नीचर भी पलट दिया। इस दौरान डॉक्टर मेराज आलम के साथ अभद्रता की गई। अन्य स्टाफ के साथ भी मारपीट की गई। तोड़फोड़ व मारपीट के बाद आरोपी मौके से भाग गए। सूचना मिलने के बाद चौक इंस्पेक्टर अश्वनी सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली है। नाराज स्टाफ ने काम भी बंद कर दिया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

आखिरी दांव से पहले चंगुल में फंसे, 1200 करोड़ से ज्यादा बचे, निशाने पर थे डेढ़ लाख लोग; 5000 करोड़ की ठगी

अलीगढ़ में साइबर पुलिस ने शेयर में निवेश के नाम पर देश भर में साइबर ठगी कर रहे और हांगकांग से संचालित अंतरराष्ट्रीय गिरोह के 12 सदस्यों को यूपी सहित देश के छह राज्यों से गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पांच हजार करोड़ से ज्यादा की ठगी कर चुका है। इसकी आगे की जांच में इंटरपोल से मदद लेने के लिए सीबीआई को भी पत्राचार किया जा रहा है।अलीगढ़ में साइबर अपराध में शायद ही देश में ऐसा कार्रवाई पहले हुई हो, जब साइबर ठग ठगी करते समय दबोचे गए हों। जिले की साइबर टीम ने हांगकांग से संचालित जिस गैंग पर कार्रवाई की है, उसने 600 व्हाट्सएप ग्रुपों में देश के डेढ़ लाख लोगों को जोड़ रखा था। उनसे छह फरवरी को करीब 1200 करोड़ से ज्यादा की ठगी होनी थी।इस कार्रवाई के बीच गृह व दूरसंचार मंत्रालय की मदद से सभी 600 व्हाट्सएप ग्रुपों को बंद कराने के साथ-साथ ठगी के लिए बनाई गईं दो एप भी देश में प्रतिबंधित कराई गईं। हालांकि, इस कार्रवाई से पहले पिछले एक सप्ताह में 1200 करोड़ से ज्यादा इन्हीं व्हाट्सएप ग्रुपों से ठग लिए, जबकि कुछ माह में कुल ठगी गई रकम 5000 करोड़ से ज्यादा है।पुलिस को सूचना देकर ठगों के संपर्क में रहे सेवानिवृत्त डीजीएम, दो करोड़ बचे एसपी देहात अमृत जैन ने बताया कि ठगी के शिकार हुए स्वर्ण जयंती नगर के दिनेश शर्मा जब हमारे पास आए तो उन्होंने बताया कि वे पिछले 45 दिन से ठगों के संपर्क में हैं। अब तक वे 1.10 करोड़ गवां चुके हैं। अभी छह फरवरी को दो करोड़ रुपये अभी मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि 200 गुना मुनाफे की बात कहकर उन्हें बार-बार प्रेरित कर इस व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर फायदे दिखाए। उनके 64 हजार रुपये होल्ड कराए गए। रिपोर्ट दर्ज कर तय किया गया कि इसमें दिनेश शर्मा ठगों के संपर्क में रहेंगे। पुलिस अपना काम शुरू कर देगी। दिनेश शर्मा भी इस बात पर राजी हो गए। अधिकारियों से विमर्श कर साइबर-सर्विलांस टीमों को काम पर लगाया गया। सात खातों से आरोपियों तक पहुंचीं पुलिस टीमें- शुरुआती जांच में सात ऐसे खाते सामने आए, जिनमें दिनेश शर्मा से रकम ट्रांसफर कराई गई थी। उन खातों पर गहराई से आई-फॉर-सी व बैंक पोर्टलों की मदद से जांच शुरू की गई। पाया गया कि व्हाट्सएप ग्रुपों में शामिल 80 लोगों से जुड़े लोग ही खातों को ऑपरेट कर रहे है। ये खाते देश में ही ऑपरेट हो रहे हैं। बस उनका पीछा शुरू किया गया तो खाते ऑपरेट कर रहे लोग लगातार इधर से उधर सफर कर रहे थे। मगर टीमों ने उन्हें दबोच ही लिया। कहीं खाताधारक बंधक थे तो कहीं साथ सफर में जब टीमें इन ओडिशा, मथुरा व उत्तराखंड सहित अलग अलग जगहों पर पहुंचीं तो पता चला कि ओडिशा में जितेंद्र खाता ऑपरेट कर रहा था। जगन्नाथ खाते किराये पर लाया था। उनके साथ खाताधारक देवाशीष व रंकनिधी सफर कर रहे थे। वह भुवनेश्वर से गुवाहाटी व वापस भुवनेश्वर आए। दोनों खाताधारकों को उनके खाते में एक करोड़ आने के बदले उन्हें दस लाख रुपये देना तय किया था। इसी तरह मथुरा में आदित्य के पास पहुंचे तो उसने दो खाताधारकों को बंधक बना रखा था। वहीं छत्तीसगढ़ का दुर्गेश खाता ऑपरेट कर रहा था। उसके साथ भी दो खाताधारक थे। उन्हें मोटे कमीशन का लालच मिला था। ये सभी लोग पिछले करीब छह माह से इस धंधे में शामिल थे। पकड़े गए सभी खाताधारक प्रोफेशनल तरीके से किराये पर खाते दे रहे थे। इनके खातों में बड़ी रकम पहुंच रही। जितेंद्र व दुर्गेश हांगकांग वालों के संपर्क में थे। ओडिशा वाला सरगना भाजपा का नेता पुलिस टीमें जिन राज्यों में या जिन शहरों में पहुंचीं, वहां गृह मंत्रालय के जरिये सभी राज्यों के पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को मदद का निर्देश दिया गया। साथ में न्यायालय में तत्काल ट्रांजिट रिमांड आदि कराने में सहयोग को कहा गया। इस दौरान ओडिशा के जितेंद्र का नाम आया जो भाजपा का नेता है। उसे पकड़ने पर वहां पुलिस पर दबाव आया, लेकिन साक्ष्य होने के चलते ट्रांजिट रिमांड पर उसे यहां लाया जा सका। इस बीच सातों टीमें पांच दिन तक धरपकड़ करती रही। ऐसे चल रहा यह गैंग- हांगकांग की आईपी पर शेयर बाजार के प्लेटफॉर्म से मिलते जुलते प्लेटफॉर्म बनाए गए। इनमें से एक फायर इलाइट प्रो एप 52 दिन पहले ही बनी थी। फिर टेलीग्राम ग्रुपों के जरिये अपने देश में अलग अलग राज्यों के ऐसे युवा जोड़े गए, जो जल्दी धन कमाना चाहते थे। उन युवाओं को ट्रेनिंग देकर व्हाट्सएप ग्रुपों में लोगों को जोड़कर रकम ऐंठने में लगाया गया। दूसरी ओर कुछ युवक बैंक खाते खरीदकर या किराये पर लेकर उनसे रकम को तत्काल दूसरे खातों में ट्रांसफर करने व आगे यूएसडीटी खरीदने में लगाए गए। मोबाइल कॉलिंग वाले सभी नंबर हांगकांग की इंटरनेट आईपी से ही संचालित हो रहे थे। बस बैंक खाते अपने देश में ऑपरेट हो रहे थे। पिगबुचरिंग में ऐसे लोग थे शिकार- देश में जो लोग ट्रेनिंग पाकर ठगी के शिकार खोज रहे थे। वे सिर्फ सेवानिवृत्त बड़े अधिकारियों, बड़े व्यापारियों व बड़ी रकम वाले खातों के स्वामियों की सोशल मीडिया-वित्तीय गतिविधियों की निगरानी करते थे। साइबर अपराध में पिगबुचरिंग करते हुए यानि इनको प्रेरित करने व ठगने का प्रयास करते हुए सभी लोगों को व्हाट्सएप पर शेयर बाजार में 200 गुना मुनाफे के संदेश भेजकर उन्हें प्रभावित करते। बाद में व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़कर उनके मन में लालच जगाते। बाद में उनके सुनियोजित एकाउंट व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये ही ठगी में प्रयोग होने वाली एप पर खुलवाकर रकम लेकर ठगी शुरू करते थे। अभी दो दर्जन की तलाश, रकम विदेश पहुंची एसपी देहात बताते हैं कि इस मामले में अभी दो दर्जन लोगों की तलाश है। जो देश में ही सक्रिय हैं, इनके द्वारा ठगी गई रकम विदेश पहुंच गई है। ऐसा अब तक की जांच में अनुमान है। दिनेश शर्मा से ठगी रकम में से साढ़े पांच लाख रुपये मिल गए हैं, जबकि कुछ रकम अभी खातों में होल्ड है। उन सभी पर वापसी आदि का प्रयास किया जा रहा है। इन सभी पर दो दर्जन रिपोर्ट दर्ज- अब तक जो लोग पकड़े गए हैं व उनके जो नंबर व खाते जांच में सामने आए हैं। उन पर दो दर्जन शिकायतें साइबर पोर्टल पर दर्ज हैं। वहीं गृह मंत्रालय के जरिये साइबर पोर्टल की एक टीम व हमारे जिले की टीम इनसे जुड़े व्हाट्सएप ग्रुपों में शामिल लोगों को चेता रही है। ताकि उन्हें ठगी से बचाया जा सके। इंटरपोल-सीबीआई की मदद से हांगकांग में दबिश की योजना एसपी देहात ने बताया कि इस प्रकरण में अभी करीब दो दर्जन लोग ऐसे हैं, जो देश के अलग अलग राज्यों में हैं। वे सभी वांछित हैं। उनकी तलाश में हमारी टीमों का काम जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच व साइबर-सर्विलांस साक्ष्यों के अनुसार यह पूरा गिरोह हांगकांग से संचालित होना पाया गया है। इसलिए वहां भी दबिश की योजना है। इसके लिए इंटरपोल को सीबीआई के जरिये पत्राचार किया जा रहा है। जिसमें वहां धरपकड़ कराने के साथ-साथ यह भी संस्तुति की जा रही है कि अगर चाहें तो आगे की विवेचना सीबीआई स्तर से भी कराई जा सकती है। ये आरोपी पकड़े गए -जगन्नाथ प्रधान निवासी बंकालिडी, बाडाबोरासिंगी गंगापुर जिला गंजम, ओडिशा -देवाषीश प्रधान निवासी बेलाबडी तुरुमु भंजानगर जिला गंजम, ओडिशा -जितेन्द्र चौधरी निवासी चुढियापल्ली अंबापुआ थाना वैलगुन्ठ जिला गंजम ओडिशा -रंकनिधि नायक निवासी चुढियापल्ली अंबापुआ गंजम थाना वैलगुन्ठ जिला गंजम, ओडिशा -दुर्गेश कुमार गुप्ता निवासी रुनान्दा गांधी चौक भिलाई जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ -सूरज सिंह पंवार निवासी मोहथरानवाल मार्ग अजबपुर कालान देहरादून, उत्तराखंड -रविंद्र सिंह राठौर निवासी फेज-2 यमुनोत्री एन्कलेव चन्द्रभानी रोड वैष्णो माता मन्दिर रोवला कला देहरादून, उत्तराखंड -सुरेश कुमार निवासी प्रिन्सिस पार्क ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर- 86 ओल्ड फरीदाबाद, हरियाणा -नवनीत लहरी निवासी नाडी रोड थाना सैफऊ जिला धौलपुर, राजस्थान -रिजवान निवासी 151 मदीना मस्जिद वाली गली जिला बुलंदशहर -आदित्यपाल निवासी साकेतपुरी मोहली रोड थाना हाईवे जिला मथुरा -आर्यन वत्स निवासी गली नंबर 15 दीपक विहार खोडा कालोनी थाना खोडई, गाजियाबाद हाल निवासी रोजजलालपुर गोल्डन वैली सोसाइटी थाना बिसरख नोएडा ये हुआ बरामद 30 पासबुक व चेकबुक, दो क्रेडिट कार्ड, 28 डेबिट/एटीएम कार्ड, 23 मोबाइल फोन, 13 सिम कार्ड, नौ फर्जी फर्म की मुहर, दो जियो राउटर, एक लैपटॉप, एक कैमरा, पीड़ित दिनेश शर्मा की ठगी की रकम से पांच लाख 64 हजार रुपये। 5000 करोड़ से ज्यादा की साइबर ठगी में 12 गिरफ्तार- साइबर पुलिस ने शेयर में निवेश के नाम पर देश भर में साइबर ठगी कर रहे और हांगकांग से संचालित अंतरराष्ट्रीय गिरोह के 12 सदस्यों को यूपी सहित देश के छह राज्यों से गिरफ्तार किया है। यह गिरोह पांच हजार करोड़ से ज्यादा की ठगी कर चुका है। इसकी आगे की जांच में इंटरपोल से मदद लेने के लिए सीबीआई को भी पत्राचार किया जा रहा है। साइबर नोडल एसपी देहात अमृत जैन ने शनिवार को पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता में बताया कि स्वर्ण जयंती नगर निवासी दिनेश कुमार शर्मा बैंक में डीजीएम पद से सेवानिवृत्त हैं। उनके साथ दिसंबर से जनवरी के के बीच 45 दिन के अंतराल में शेयर में निवेश व 200 गुना मुनाफा दिलाने के नाम पर 1.10 करोड़ की ठगी की गई थी। उन्होंने 31 जनवरी को साइबर थाने पर इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। एसपी देहात के अनुसार विवेचना शुरू की गई तो साइबर ठग तब भी उनके संपर्क में थे। बस उसी दिशा में जब प्रयास शुरू किया तो यह गिरोह साइबर टीम के रडार पर आया। काम शुरू किया तो पता चला कि यह गिरोह हांगकांग से संचालित हो रहा है और देशभर में सक्रिय इसके सदस्य व्हाट्सएप ग्रुपों में लोगों को जोड़कर उनसे ठगी कर रकम से यूएसडीटी (अमेरिकी डॉलर से जुड़ी एक क्राइन) खरीद रहे हैं।

बहू बेटी सम्मेलन कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया

क्यूँ न लिखूँ सच/अमरीक सिंह/ मिशन शक्ति फेज 5.0 , एंटी रोमियो, अभियान के तहत ग्राम मोहरबा थाना मटेरा जनपद बहराइच में बहू बेटी सम्मेलन कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया गया तथा उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं *जैसे कन्या सुमंगला योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री,विधवा पेंशन योजना उज्जवला योजना व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी मिशन शक्ति टीम उ0नि0श्री अजीत मौर्या हे0 का0 दिग्विजय सिंह हे0का0 फूलचंद मौर्या हेड का0 राम करन महिला आरक्षी ज्ञानमती थाना मटेरा जनपद बहराइच

जिलाधिकारी ने इकौना तहसील का लिया औचक जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती। जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने तहसील इकौना का - औचक निरीक्षण कर जायजा लिया इस दौरान उन्होने अभिलेखागार में जाकर राजस्व रिकाडों के बस्तों का अवलोकन किया तथा सभी रिकार्डों को और व्यवस्थित ढंग से रखने व साफ-सफाई पर विशेष बल देने हेतु निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी न्यायालय, तहसीलदार न्यायालय, लेखपाल अनुभाग, रजिस्टार, कानूनगो अनुभाग, रिकार्ड रूम, संग्रह अनुभाग का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने नजारत अनुभाग पहुंचकर राजस्व वादों के तहत विभिन्न धाराओं 116, 34, 67, 80, 24 आदि पंजिकाओं का अवलोकन किया तथा अधिक से अधिक वादों का समय सीमा के अन्दर निस्तारण करने का निर्देश दिया। इसके अलावा आय व व्यय पंजिका, शिकायत पंजिका, डाक टिकटों का लेखा एवं तामीला पंजिका आदि की गहनता से जांच जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी को न्यायालय पर लम्बित वादों का निराकरण करने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि तहसील में में आने वाले हर फरियादियों की समस्याओं कार्य को सूचीबद्ध किया जाए और उनका निराकरण भी समय सीमा के अन्दर सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं को लेकर तहसील मुख्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। तहसील परिसर में आने वाले फरियादियों के लिए बेहतर सुविधा हेतु पेयजल, छाया एवं बैठने हेतु उचित प्रबन्ध किये जाएं, जिससे उन्हें कोई दिक्कत न होने पाए। एल्ब जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि बड़े बकायदारो की सूची अपडेट करके वसूली में तेजी लायें और प्रतिदिन अपने निर्धारित समयानुसार न्यायालय में उपस्थित रहें।

यूपी में बड़ा हादसा: कासगंज-एटा मार्ग पर अनियंत्रित बस पलटी, 25 यात्री घायल; ड्राइवर समेत पांच गंभीर

दुर्घटना की सूचना मिलते ही बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। सभी घायलों को हाईवे और मेडिकल कॉलेज की एंबुलेंस की मदद से तत्काल मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है।यूपी के कासगंज से एटा की ओर जा रही हिंदुस्तान युनिलीवर कंपनी के पास एक बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस गंभीर हादसे में बस चालक और परिचालक सहित 25 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सत्येंद्र कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे।घायलों को तत्काल उपचार के लिए भेजा गया दुर्घटना की सूचना मिलते ही बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया। सभी घायलों को हाईवे और मेडिकल कॉलेज की एंबुलेंस की मदद से तत्काल मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बस चालक और परिचालक सहित पांच लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है, जिनके स्वास्थ्य पर डॉक्टर लगातार नजर रखे हुए हैं।घायलों की सूची जारी- बस हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान कर ली गई है। इनमें बस चालक मोती सिंह निवासी कस्बा व थाना आंवला जिला बरेली और परिचालक जयचंद निवासी बरेली शामिल हैं। अन्य घायलों में मोहम्मद शोएब और अरबाज निवासी बरेली, दिनेश निवासी नैनीताल, अनुपम निवासी हुमायूंपुर कासगंज, अलेखा और शिप्रा निवासी आगरा, रिंकी निवासी हुमायूंपुर थाना सोरों जिला कासगंज तथा उपदेश देवी निवासी फिरोजाबाद शामिल हैं।दुर्घटना के कारणों की जांच जारी- फिलहाल, बस के अनियंत्रित होकर पलटने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। तेज रफ्तार या यांत्रिक खराबी जैसे कारणों की संभावनाओं पर गौर किया जा रहा है। प्रशासन ने घायलों के परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

भूमि विवाद में मारपीट, संदिग्ध परिस्थितियों में बुजुर्ग की मौत, पुलिस जांच में जुटी

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट के कुछ घंटे के बाद एक पक्ष के बुजुर्ग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। भतीचे ने पिटाई से चाचा की मौत होने का आरोप लगाया। इस पर पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के सागर गांव निवासी ग्राम प्रधान शम्भु वर्मा पुत्र सूर्यलाल का इसी गांव निवासी आजम व उसके चचा अब्दुल सत्तार से जमीन को लेकर कुछ विवाद चल रहा है। उसी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया और मारपीट हो गई। मतीजे ने आरोप लगाया कि पिटाई से हुई चाचा की मौत नोटिस पढ़?ने की बात कहते हुए लाठी डंडे से पिटाई की सत्तार (60) पुत्र जिमीदार की संदिग्ध परिस्थितियों में घर में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अब्दुल सत्तार के भतीजे आजम का आरोप है कि उसके चाचा की मौत विपक्षियों की पिटाई से हुई है। आरोप है कि वह चचा अब्दुल सत्तार के साथ साप्ताहिक बाजार से सामान खरीदकर घर लौट रहा था। गांव में पहुंचते ही दूसरे पक्ष के लोगों ने रोका और कोई नोटिस पढ़ने की बात कहते हुए लाठी डंडे से पिटाई करने लगे। लोगों के बीच बचाव कराने पर उनकी जान बची। सूचना डायल 112 पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की और थाने जाकर तहरीर देने को कहा। आरोप है कि वह चाचा को घर पर छोड़कर तहरीर देने थाने चला गया। कुछ घंटे बाद चाचा अब्दुल सत्तार की मौत हो गई है। भतीजे आजम का आरोप है कि उसके चाचा की मौत पिटाई से हुई है। मल्हीपुर थानाध्यक्ष अंकुर वर्मा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बैराड़ पुलिस ने अवैध हथियार सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ देशी कट्टा, जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल जब्त, आरोपी जेल भेजा गया शिवपुरी। थाना बैराड़ पुलिस ने अपराध की नीयत से घूम रहे एक आरोपी को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 315 बोर का देशी कट्टा, एक जिंदा राउंड एवं बिना नंबर की मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी पोहरी श्री आनंद राय के मार्गदर्शन में दिनांक 7 फरवरी 2026 की शाम थाना बैराड़ पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति गंभीर वारदात की नीयत से काले रंग की बिना नंबर की हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल से टोरिया रोड से बैराड़ की ओर आ रहा है और उसके पास अवैध कट्टा है। सूचना पर पुलिस टीम ने टोरिया रोड स्थित इंडियन गैस एजेंसी के सामने वाहन चेकिंग लगाई। कुछ देर बाद संदिग्ध व्यक्ति टोरिया की ओर से बैराड़ की तरफ आता दिखाई दिया। पुलिस द्वारा रोकने पर वह भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम समीर पुत्र बल्लन खान, उम्र 24 वर्ष, निवासी कालामढ़ बैराड़, थाना बैराड़, जिला शिवपुरी बताया। जामा तलाशी के दौरान आरोपी की पेंट की दाहिनी कमर से एक 315 बोर का देशी कट्टा बरामद हुआ। कट्टा खोलकर देखने पर उसके चेंबर में एक जिंदा राउंड पाया गया। आरोपी से हथियार रखने का लाइसेंस मांगा गया, जो उसके पास नहीं था। इस पर आरोपी के विरुद्ध धारा 25 व 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मौके पर ही हथियार, कारतूस एवं मोटरसाइकिल जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सराहनीय भूमिका इस कार्यवाही में निरीक्षक सुरेश शर्मा, सउनि तेज सिंह गौड़, आरक्षक 150 अतर सिंह रावत, आरक्षक 1157 देवेंद्र राठौर एवं चालक आरक्षक 72 मनीष परिहार की विशेष भूमिका रही।

रिंकू व बहन की हैक आईडी का मांगा मेटा से विवरण, फेसबुक आईडी की रिकवरी के प्रयास तेज

क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक होने के बाद उनकी बहन नेहा ने भी अपनी आईडी हैक होने की शिकायत फोन पर दी है।साइबर हैकरों ने क्रिकेटर रिंकू के साथ-साथ बहन नेहा की आईडी भी हैक कर रखी है। दोनों की रिकवरी के लिए मेटा से विवरण मांगा गया है। साथ में उन्हें हैक करने वालों तक पहुंचने का प्रयास जारी है।क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक होने के मामले में रिंकू सिंह ने एसएसपी को जानकारी दी थी। बाद में भाई सोनू के जरिये तहरीर भिजवाई, जिस पर साइबर थाने में रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी गई है। क्रिकेटर रिंकू सिंह की फेसबुक आईडी हैक होने के मामले में रिंकू सिंह ने एसएसपी को जानकारी दी थी। बाद में भाई सोनू के जरिये तहरीर भिजवाई, जिस पर साइबर थाने में रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति-5.0 के तहत महिला एवं बालिका सुरक्षा, जागरूकता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत जिले में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन तथा साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विद्यालयों, गांवों, कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया जा रहा है। महिला संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु चौपालों का आयोजन कर व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं से शक्ति दीदी के रूप में संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

10 फरवरी से चलेगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस अभियान : सीएमओ

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। भिनगा मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0के0 सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय सभागार में कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया है कि जनपद में कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी 2026 से अभियान का जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय द्वारा केन्द्रीय विद्यालय भिनगा से शुभारम्भ किया जाएगा। जिसमें जनपद के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान चलाकर सभी स्कूलों, आंगनवाड़ी केन्द्रो पर निःशुल्क कृमि नियंत्रण की दवाई एल्बेन्डाजोल खिलाई जायेगी तथा छूटे हुए बच्चों को शत-प्रतिशत आच्छादित किया जायेगा। उन्होने बताया कि किशोर कुपोषण और एनीमिया का शिकार हो जाता है इससे बचाव हेतु जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान चलाकर 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को घर-घर भ्रमण कर एल्बेन्डाजोल की दवा खिलाई जाएगी। उन्होने बताया कि इस अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा बहू और आंगन बाडी कार्यकत्री) द्वारा घर-घर भ्रमण एल्बेन्डाजोल की खुराक दी जाएगी। जिससे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ायी जा सके और एनीमिया को नियंत्रित किया जा सके। उन्होने बताया कि बच्चों के शरीर में कृमि के कारण मामूली दुष्प्रभाव जैसे जी मिचलाना, उल्टी, दस्त, पेट में हल्का दर्द और थकान होने की संभावना हो सकती हैं। यह दुष्प्रभाव अस्थायी होते हैं और आम तौर पर आसानी से संभाले जा सकते हैं। अगर बच्चे को मामूली दुष्प्रभाव हो तो उसे खुली व छायादार जगह में लिटाकर आराम कराएं। उसे पीने का साफ पानी दें और अपनी निगरानी में रखें।

सुरेश गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू / ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर - थाना बीटा-2 क्षेत्रांतर्गत ऐच्छर क्षेत्र में धर्म परिवर्तन कराए जाने संबंधी सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गई। जांच में ज्ञात हुआ कि एक टैक्सी चालक सुरेश उसकी पत्नी व साली एवं ऐच्छर निवासी एक व्यक्ति चंद्रकरण द्वारा कुछ महिलाओं को एकत्र कर उन्हें ईसाई धर्म के बारे में जानकारी दे रहे थे। थाना बीटा-2 पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत करते हुए आरोपित 02 व्यक्ति 1. सुरेश पुत्र शंकर लाल निवासी बांसवाड़ा राजस्थान वर्तमान पता सी 28, सिग्मा-2, गौतमबुद्धनगर 2. चंद किरण पुत्र गजेसिंह प्रजापति निवासी ऐच्छर, गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

If you're applying too little sunscreen, even SPF 50 won't provide protection; learn the correct amount and method from an expert.

Sunscreen is an essential tool for protecting the skin from harmful UV rays, but knowing the correct amount and method of application is crucial. Applying too little SPF doesn't provide its full benefits, increasing the risk of sunburn and skin cancer. Apply it 20 minutes before going out, reapply it every two hours, and use it in all seasons. Sunscreen is essential for protecting the skin from UV rays. Applying too little sunscreen doesn't provide complete protection. Applying the right amount helps prevent skin cancer. Sunscreen is the most important and powerful weapon for protecting the skin from the sun's harmful ultraviolet rays. We all know that sunscreen should be applied, but people are often confused about the correct amount. In fact, if you're not using the correct amount, the SPF listed on the bottle won't provide the protection it promises. So let's find out how much sunscreen you should apply for proper protection and the correct way to apply it. The Right Amount of Sunscreen Dermatologist Gurveen Waraich has developed a simple method for measuring the right amount of sunscreen, called the two-finger rule. Draw two lines of sunscreen across the entire length of your index and middle fingers. How to apply: This amount is sufficient for your face. To apply it to your neck, take three fingers of sunscreen. This will cover both your face and neck. However, people often apply sunscreen to their face, but forget about the neck. This is why signs of aging appear first on the neck. How much is enough for the entire body? If you're at the beach or going out in the sun and want to cover other parts of the body as well, approximately 30 ml of sunscreen is needed for the entire body. This includes exposed areas like the arms, legs, and back. Why is it important to apply the right amount? Sunscreens are tested in the lab using milligrams per square inch of skin. Therefore, if you apply too little SPF 50 sunscreen, you'll actually only get the same protection as SPF 15 or 20. This increases the risk of sunburn, premature aging, and skin cancer. Important sunscreen application rules: Not only the correct amount, but also the method and timing of application are important. Apply 20 minutes before sun exposure: Sunscreen takes time to absorb into the skin and form a protective barrier. Therefore, apply it at least 20 minutes before leaving the house. Re-application: Sunscreen's layer begins to diminish over time due to sweat, rubbing, or exposure to the sun. Re-applying every two hours is essential. Important in all seasons: Even on cloudy days, up to 80% of UV rays can reach the skin. Therefore, whether it's winter or rainy, never skip sunscreen. Check the expiration date: Old sunscreen loses its effectiveness. Always choose a high-quality product.

Young people are also increasingly falling victim to heart attacks; the risk is highest among working people.

Over 300,000 deaths from heart attacks and heart disease have occurred in Delhi over the past 20 years, with an increase of over 50% in 2024 compared to 2023. These diseases are no longer limited to the elderly, but are increasingly affecting the younger population as well. Over 300,000 deaths from heart disease in Delhi over 200,000 in 20 years, 5% of those under 14; an increase of over 50% in 2024, reaching 3.29 lakh deaths in two decades; the number of heart-related deaths among men is almost twice that of women. Over 300,000 deaths from heart attacks and heart-related diseases have been reported in the national capital over 200,000 in 20 years. Official data from the Delhi government warns that heart disease is no longer limited to the elderly; the working-age and relatively younger population is also increasingly affected. In 2024, 34,539 people in Delhi died from heart attacks and heart-related diseases, an increase of more than 12,000 compared to the 22,385 deaths recorded in 2023, representing a 50 percent increase in a single year. Breaking these figures down by age, the highest number of deaths (103,972) occurred among those aged 45 to 64, followed by 92,048 deaths among those aged 65 and above, and the lowest (46,129) among those aged 25 to 44. Worryingly, 14,321 children aged 14 and below accounted for more than five percent of the total deaths. The data shows that in the 45 to 64 age group, the number of deaths from heart disease among men was almost twice that of women. In this category, 68,177 men and 35,795 women died. Similarly, the 45-64 age group accounted for the highest number of deaths, accounting for 38.55 percent of deaths recorded in various hospitals in Delhi. The age group above 65 years accounted for 34.13 percent, and the 25-44 age group accounted for 17.11 percent. According to experts, lifestyle is emerging as a major factor in the increasing incidence of heart disease. Despite genetic factors, lifestyle is playing a greater role in heart attacks at a younger age. Sedentary lifestyles, excessive screen time, unhealthy eating habits, smoking, vaping, lack of sleep, and excessive stress are causing premature damage to heart health. Experts believe that timely lifestyle modifications are the most effective way to address this growing crisis.

How long will you live? The answer lies in your DNA, not your lifestyle.

According to a new study in the journal Science, the secret to longevity lies largely (50-55 percent) in our genes, compared to the previous belief of only 20-25 percent. Researchers say this change is due to environmental improvements (such as vaccinations and better nutrition), which have reduced deaths due to external causes and made the influence of genetic factors more pronounced. Genes play a 50-55% role in longevity. Environmental improvements have made the genetic influence more pronounced. Both genes and the environment are important in lifespan. From regular exercise to a strict diet, some people try everything possible to achieve longevity. A new study published in the journal Science has revealed the secret to longevity. According to the study, the secret to longevity lies largely (50-55 percent) in our genes. Previously, it was believed that only 20 to 25 percent of lifespan depends on genetics, while the rest is based on lifestyle and environment. Most deaths are due to internal causes - According to researchers, previous estimates did not take into account changes in causes of death over time due to a lack of data. A century ago, many people died from what scientists call external causes, such as accidents, infections, and other external hazards. Today, at least in developed countries, most deaths are due to internal causes. The body gradually weakens due to aging, dementia, and age-related illnesses like heart disease. Have genes suddenly become more powerful? Scientists say that genes have not suddenly become more powerful. What has changed is the environment. For example, a hundred years ago, a person's height depended on their nutrition and childhood illnesses. Today, most people in affluent countries receive adequate nutrition, making the impact of genetic differences more pronounced. This does not mean that nutrition has lost its importance, but rather that most people now reach their genetic potential. The same principle applies to lifespan. As vaccinations have improved, pollution has decreased, diets have improved, and healthier lifestyles have been adopted. The overall impact of environmental factors has been reduced. Importance of both genes and environment - The researchers concluded that ultimately, both genes and environment matter, the authors acknowledged. About half of the variation in lifespan still depends on environment, lifestyle, health care, and random biological processes. How different genetic factors interact with different environments may explain why some people live longer than others.

A film that rivaled Sholay, land mortgaged to make it; earning 100 times the amount, making history

In 1975, a low-budget devotional film was released alongside 'Sholay'. Producer Satram Rohra had to sell his house and his wife's jewelry to make the film because no major distributor was willing to invest in it. However, fueled by religious sentiments, the film achieved tremendous box office success. Sholay is a masterpiece of Indian cinema. Competition with a devotional film, it was a box office success. The year 1975 was one of the most memorable moments in Indian cinema. Ramesh Sippy's 'Sholay' was released on August 15th. The story was written by Salim-Javed. The film starred Amitabh Bachchan, Dharmendra, Sanjeev Kumar, Amjad Khan, Hema Malini, and Jaya Bachchan, and the film made history. It became the longest-running film in theaters! But did you know that on the same day, another film was released, albeit with a very low budget, yet it earned a phenomenal amount? This film, inspired by religious sentiments, won the hearts of people and changed history. Released that same year, the devotional film "Sholay" won audiences' hearts with its action, drama, and story of friendship, while "Jai Santoshi Maa" captivated audiences with its devotion and faith. At a time when filmmakers often postpone their films' release dates for fear of clashing with big films, "Jai Santoshi Maa" producer Satram Rohra had no fear of failure. The producer had to sell his house – at that time, Bollywood was moving towards action and masala films. No major distributor was willing to invest in a religious film without a major star. Consequently, Rohra sold his land, ancestral home, and even his wife's jewelry. He didn't even have money to eat. When "Santoshi Maa" was released, it surprised even Indian trade experts. "Jai Santoshi Maa" created a wave in India's villages and small towns that had never been seen before for a religious film. Satram Rohra, who sold everything for the film, became a millionaire upon its release. "Jai Santoshi Maa" grossed 100 times its budget. At the time, the film grossed approximately ?5 crore (approximately $50 million) at the box office, equivalent to hundreds of crores (approximately $50 million) today.

The wait is over, the release date of Ram Charan's 'Peddi' has been announced.

Fans have been eagerly awaiting the release of South Indian superstar Ram Charan's next film, titled Peddi. The makers announced the film's release date on Wednesday. Peddi's release date has been revealed. Ram Charan's film will release on this date - Ram Charan's next movie after Game Changer. Actor Ram Charan, who delivered all-time blockbuster films like RRR, is all about the upcoming film Peddi. Fans have been eagerly awaiting its release. Now, the makers have announced the release date for Peddi. Following the release of Game Changer, Ram Charan will be seen making waves on the big screen in the near future. So, let's find out when Peddi will be released in theaters. On Wednesday, Ram Charan posted a recent tweet on his official Instagram handle regarding the release date of Peddi. In this tweet, Ram has revealed that Peddi will be released in theatres on 30th April 2026. Apart from this, a new poster of Peddi has also been shared, in which Ram Charan's intense look is visible. In this way, Peddi will enter theatres in the month of April. After the announcement of the release date of Peddi, the excitement of the fans has reached the seventh sky and they are eagerly waiting for its release. If we look at the story of Peddi, then this is a Telugu language sports action drama movie, which is directed by Buchi Babu Sana. He has also written the story of Peddi.

The heartbreaking trailer of "Assi" has been released. Be sure to watch a glimpse of the powerful story.

Taapsee Pannu will soon be seen playing a lawyer in the intense courtroom drama "Assi." The film is about a gang rape victim's legal battle, fought by Taapsee Pannu. This trailer will truly leave you feeling the pain and shock. Taapsee Pannu will be seen in the lead role. When will "Assi" release in theaters? What is the film's story? Bollywood actress Taapsee Pannu is known for her unconventional films. The actress will soon be seen in the intensely themed film "Assi," whose trailer and announcement have already sent shivers down the spine. Taapsee will be seen as a lawyer in this investigative courtroom drama directed by Anubhav Sinha. Her role is perfectly captured in the trailer. It features Taapsee as a determined lawyer who refuses to compromise in her fight for justice. The character of Kani Kusruti is the emotional core of the story, and her case propels the narrative forward. What is the story of Assi? The heartbreaking trailer depicts Kani Kusruti as the victim of a brutal gang rape. She is thrown out of a moving car. Taapsee fights her case and is willing to go to any lengths to secure justice. However, the journey is far from easy, as she herself must fight a challenging legal battle and prove in court that the crime actually occurred. When will the film release? The scenes shown in the trailer are so tense that they will deeply tug at your heartstrings. This is a prime example of investigative drama, which exposes uncomfortable and disturbing social realities outside the court. Instead of focusing solely on legal arguments, the trailer raises questions about morality, responsibility, and the impact on future generations. The film will be released in theatres on 20th February.